FULL STOP - 40

अव्यक्त बापदादा (28.02.1984) :-

➳ _ ➳ पूजा में, चित्रों में दो विशेषतायें विशेष हैं। एक तो है बिन्दू की विशेषता और दूसरी है - बूंद-बूंद की विशेषता। पूजा की विधि में बूंद-बूंद का महत्व है। इस समय आप बच्चे 'बिन्दू' के रहस्य में स्थित होते हो। विशेष सारे ज्ञान का सार एक बिन्दू शब्द में समाया हुआ है।

➳ _ ➳ बाप भी बिन्दू, आप आत्मायें भी बिन्दू और ड्रामा का ज्ञान धारण करने के लिए जो हुआ - फिनिश अर्थात् फुलस्टाप। बिन्दू लगा दिया। परम आत्मा, आत्मा और यह प्रकृति का खेल अर्थात् ड्रामा तीनों का ज्ञान प्रैक्टिकल लाइफ़ में 'बिन्दू' ही अनुभव करते हो ना। इसलिए भक्ति में भी प्रतिमा के बीच बिन्दू का महत्व है।

➢➢ बिंदु की विशेषता

➳ _ ➳ मैं आत्मा बिंदु

➳ _ ➳ बाप भी बिंदु

➳ _ ➳ ड्रामा भी बिंदु

→ जो बीत गया गया, उसके बारे में नहीं सोचना है

- वर्तमान में नहीं जीना है

➢➢ बूँद बूँद की विशेषता

➳ _ ➳ मैं आत्मा हूँ

→ बार बार इसका अभ्यास करते हैं

➳ _ ➳ शुद्ध संकल्पों की बूँदें

→ स्वयं को नित नए नए स्वमान में स्थित करते हैं

➳ _ ➳ सहयोग की बूँदें

→ तन मन धन का सहयोग

➳ _ ➳ ज्ञान की बूँदें

→ ज्ञान को धीरे धीरे, चबा चबा कर , समझ समझ कर , आनंद ले लेकर पड़ना है

- फटाफट नहीं पड़ना है

→ ज्ञान की अच्छी अच्छी पॉइंट्स collect करके रखिये मन बुधी में

→ चिंतन कीजिये की ज्ञान की इस पॉइंट को प्रैक्टिकल में कैसे Apply करें

➳ _ ➳ योग की बूँदें

→ धीरे धीरे योग का चार्ट बढ़ाते जाएँ

- **SLOW & STEADY WINS THE RACE**

- ➳ _ ➳ धारणाओ में बूँद बूँद
  - → धारणाएं धीरे धीरे सूक्षम होती जाएँ
- ➳ _ ➳ सेवाओं में बूँद बूँद
  - → धीरे धीरे सेवाओं में सहयोग देते रहे
    - पर रूकें नहीं
  - → जहाँ भी मौका मिले, सेवाओं में सहयोग दें
  - → ऐसे शब्दों का उपयोग न करें
    - यह मेरे टाइप की सेवा नहीं
  - → कोई भी सेवा छोटी बड़ी नहीं
    - हर सेवा का अपना महत्व है
      - ▶ **पुल बनाते वक़्त दो पत्थरों के बीच गैप गिलहरी ने ही भरा था**